तेरा हर पल शुकर करू | By Sanjay Pareek

शुकर करूँ मेरे बाबा तेरा हल पल शुकर करूँ
तेरे होते किसी बात की मैं क्यूँ फिकर करूँ
शुकर करूँ मेरे बाबा .....

भटक रहा था जब जीवन में तूने थामा हाथ मेरा
अंधियारी राहों में बाबा मुझको मिल गया साथ तेरा
तेरे उपकारों का मैं पल पल ज़िकर करूँ
तेरे होते किसी बात की मैं क्यूँ फिकर करूँ
शुकर करूँ मेरे बाबा .....

सोच नहीं सकता था बाबा मुझको वो उपहार मिला
अपनी किस्मत पर इतराऊं मुझे तेरा दरबार मिला
बन के मैं दरबारी हर हाल में सबर करूँ
तेरे होते किसी बात की मैं क्यूँ फिकर करूँ
शुकर करूँ मेरे बाबा .....

इतनी तो औकात नहीं मैं तुमको कुछ दे पाऊं
तेरे नाम के भाव मैं गाकर तुझको रोज़ रिझाऊं
भाव भजन के मोती मैं तुझको नज़र करूँ
तेरे होते किसी बात की मैं क्यूँ फिकर करूँ
शुकर करूँ मेरे बाबा .....

और नहीं कुछ चाहूँ तेरी किरपा यूँ ही बनी रहे
तेरे प्रेम की दौलत से ये संजय हर दम धनी रहे
तेरी सेवा में ही ये जीवन बसर करूँ
तेरे होते किसी बात की मैं क्यूँ फिकर करूँ
शुकर करूँ मेरे बाबा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%b2-%e0%a4%b6%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%82-by-sanjay-pareek/